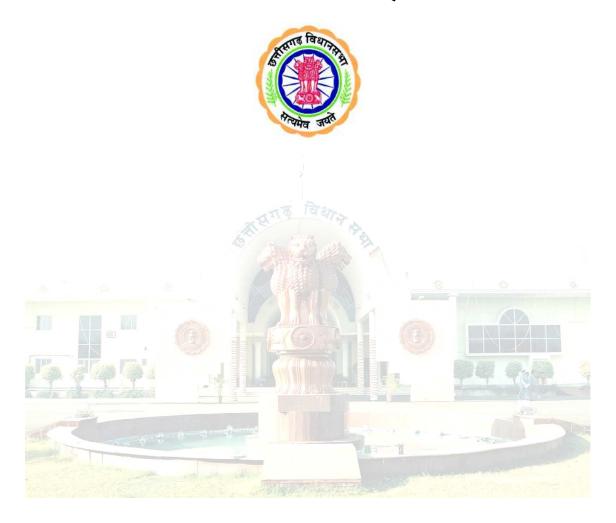
छत्तीसगढ़ विधान सभा की अशोधित कार्यवाही



पंचम विधान सभा प्रथम सत्र

शुक्रवार, दिनांक 04 जनवरी, 2019 (पौष 14, शक सम्वत् 1940)

विधान सभा के पदाधिकारी

अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत

सचिव श्री चन्द्रशेखर गंगराई

सभापति तालिका

- 01. श्री सत्यनारायण शर्मा
- 02. श्री धनेंद्र साहू
- 03. श्री अमरजीत भगत
- 04. श्री देवेन्द्र बहादुर सिंह
- 05. श्री शिवरतन शर्मा

माननीय राज्यपाल

श्रीमती आनंदीबेन मफतभाई पटेल

मंत्रिमडल के सदस्यों की सूची

01.	श्री भूपेश बघेल, मुख्यमंत्री	सामान्य प्रशासन, वित्त, ऊर्जा, खनिज साधन, जन सम्पर्क,
		इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य विभाग जो
		किसी मंत्री को आवंटित ना हो.
02.	श्री टी.एस. सिंहदेव, मंत्री	पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार
		कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी
		विभाग, 20 सूत्रीय कार्यान्वयम्, वाणिज्यिक कर(जी.एस.टी.)
03.	श्री तामध्वज साहू, मंत्री	लोक निर्माण, गृह, जेल, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन
		विभाग एवं संस्कृति
04.	श्री रविन्द्र चौबे, मंत्री	संसदीय कार्य, विधि और विधायी कार्य, कृषि एवं जैव
		प्रौद्योगिकी, पशुधन विकास, मछली पालन, जल संसाधन
		एवं आयाकट
05.	डॉ.प्रेमसाय सिंह टेकाम, मंत्री	स्कूल शिक्षा, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास,
		पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, सहकारिता
06.	श्री मोहम्मद अकबर, मंत्री	परिवहन, आवास एवं पर्यावरण, वन, खाद्य, नागरिक
		आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण
07.	श्री कवासी लखमा, मंत्री	वाणिज्यिक कर (आबकारी), वाणिज्य एवं उद्योग
08.	डॉ.शिवकुमार डहरिया, मंत्री	नगरीय प्रशासन एवं विकास, श्रम
09.	श्रीमती अनिला भेंडिया, मंत्री	महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण
10.	श्री जयसिंह अग्रवाल, मंत्री	राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, प्नर्वास,वाणिज्यिक कर
	The of Market, stall	(पंजीयन एवं मुद्रांक)
11.	श्री गुरू रूद्र कुमार, मंत्री	लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं ग्रामोद्योग
12.	श्री उमेश पटेल, मंत्री	उच्च शिक्षा, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार,
	and the room stand	विज्ञान और प्रौद्योगिकी, खेल एवं युवा कल्याण
		50, 704, 00, 100, 500, 500, 500, 500, 500, 500,

सदस्यों की वर्णात्मक सूची (निर्वाचन क्षेत्र का नाम तथा क्रमांक सहित)

		अ	
01.	अजय चन्द्राकर		57-कुरूद
02.	अमरजीत भगत		11-सीतापुर (अ.ज.जा.)
03.	अरूण वोरा		64-दुर्ग शहर
04.	अजीत जोगी		24-मरवाही (अ.ज.जा.)
05.	अनिता योगेंद्र शर्मा		47-धरसींबा
06.	अनिला भैंडिया, श्रीमती		60-डौंडी लोहारा (अ.ज.जा.)
07.	अंबिका सिंहदेव, श्रीमती		03-बैकुंठपुर
08.	अमितेश शुक्ल	A	54-राजिम
09.	अनूप नाग		७९-अंतागढ़ (अ.ज.जा.)
10.	आशीष कुमार छाबड़ा	, 'O	69-बेमेतरा
	इंद्रशाह मण्डावी इंदू बंजारे	Ē	78-मोहला-मानपुर (अ.ज.जा.) 38-पामगढ़ (अ.जा.)
		3	
01.	उत्तरी गनपत जागड़े		17-सारंगढ़ (अ.जा.)
02.	उमेश प्रदेल		18-खरसिया
4		क	
01.	कवासी लखमा		90-कोन्टा (अ.ज.जा.)
02.	कृष्णमूर्ति बांधी		32-मस्तूरी (अ.जा.)
03.	किस्मत लाल नंद		39-सरायपाली (अ.जा.)
04.	कुलदीप जुनेजा		50-रायपुर नगर उत्तर
05.	कुंवर सिंह निषाद		61-गुण्डरदेही
06.	केशव प्रसाद चन्द्रा		37-जैजेपुर

01	खेलसाय सिंह	ख	04-प्रेमनगर
		ग	
01.	गुरू रूद्र कुमार		67-अहिवारा (अ.जा.)
	गुरूदयाल सिंह बंजारे		70-नवागढ़ (अ.जा.)
03.	गुलाब कमरो		01-भरतपुर-सोनहत (अ.ज.जा.)
			0,
		च	
01.	चक्रधर सिंह सिदार		15-लेल्गा (अ.ज.जा.)
02.	चरणदास महंत	•	35-सक्ती
03.	चंदन कश्यप		84-नौरायणपुर (अ.ज.जा.)
04.	चंद्रदेव प्रसाद राय		43-बिलाईगढ़ (अ.जा.)
05.	चिन्तामणी महाराज		08-सामरी (अ.ज.जा.)
01.	छन्नी चंदू साहू	छ	77-खुज्जी
01.	जयसिंह अग्रवाल	ज	21-कोरबा
01.	टी.एस.सिंहदेव	ट	10-अम्बिकापुर
01.	इमरूधर पुजारी	ड	55-बिन्द्रानवागढ़ (अ.ज.जा.)
		त	
01.	तामध्वज साहू		63-दुर्ग ग्रामीण

		द	
01.	दलेश्वर साहू		76-डोंगरगांव
02.	् द्वारिकाधीश यादव		41-खल्लारी
03.	देवव्रत सिंह		73-खैरागढ़
04.	देवेंद्र यादव		65-भिलाई नगर
05.	देवेंद्र बहादुर सिंह		40-बसना
06.	दीपक बैज		87-चित्रकोट(अ.ज.जा.)
		ध	0,
01.	धरमलाल कौशिक		29-बिल्हा
02.	धनेन्द्र साहू		53-अभनपुर
03.	धर्मजीत सिंह		26-लोरमी
		न 💮	•
01.	ननकीराम कंवर	\$	20-रामपुर (अ.ज.जा.)
02.	नारायण चंदेल		34-जांजगीर-चांपा
	(9)		
		प	
01.	प्रकाश शक्राजीत नायक		16-रायगढ़
02.	प्रमोद कुमार शर्मा		45-बलौदाबाजार
03.	पारसनाथ राजवाडे		05- भटगांव
04.	प्रीतम राम, डा.		०९-लुण्ड्रा (अ.ज.जा.)
05.	पुन्नूलाल मोहले		27-मुंगेली (अ.जा.)
06.	मुर्जाटतम कंवर		22-कटघोरा
07.	प्रेमसाय सिंह टेकाम, डॉ.		06-प्रतापपुर (अ.ज.जा.)
7	5		
4		ब	
01.	बृजमोहन अग्रवाल		51-रायपुर नगर(दक्षिण)
02.	बृहस्पत सिंह		07-रामानुजगंज (अ.ज.जा.)

۵	_
đ	1

	VI	
01.	भीमा मण्डावी	88-दंतेवाड़ा (अ.ज.जा.)
02.	भुनेश्वर शोभाराम बघेल	74-डोंगरगढ़ (अ.जा.)
03.	भूपेश बघेल	62-पाटन
	म	Ċ
01.	ममता चंद्राकर	71-पण्डरिया
02.	मनोज सिंह मण्डावी	80-भानुप्रतापपुर (अ.ज.जा.)
03.	मोहन मरकाम	83-कोण्डागांव (अ.ज.जा.)
04.	मोहित राम	23-पाली-तानाखार(अ.ज.जा.)
05.	मोहम्मद अकबर	72-कवर्धा
	य	
01.	यू.डी.मिंज	13-कुनकुरी (अ.ज.जा.)
		•
	4	
01.	रजनीश कुमार सिंह	31-बेलतरा
02.	रंजना डीपेंद्र साहू	58-धमतरी
03.	रमन सिंह, डॉ.	75-राजनांदगांव
04.	रामकुमार यादव	36-चंद्रपुर
05.	रामपुकार सिंह ठाकुर	14-पत्थलगांव (अ.ज.जा.)
06.	रविन्द्र चौबें	68-साजा
07.	रश्मि आशीष सिंह	28-तखतपुर
08.	रेखवंद जीन	86-जगदलपुर
09.	रेणु अजीत जोगी, डॉ. (श्रीमती)	25-कोटा
	ન ભ	
01.	लक्ष्मी ध्रुव, डॉ.	56-सिहावा (अ.ज.जा.)
02.	लखेश्वर बघेल	85-बस्तर (अ.ज.जा.)
03.	लालजीत सिंह राठिया	19-धरमजयगढ़ (अ.ज.जा.)

	-	
01.	विक्रम मण्डावी	89-बीजापुर (अ.ज.जा.)
02.	विनय जायसवाल, डॉ.	02-मनेन्द्रगढ़
03.	विनय क्मार भगत	12-जशपुर (अ.ज.जा.)
04.	विद्यारतन भसीन	66-वैशाली नगर
05.	विकास उपाध्याय	49-रायपुर नगर पश्चिम
06.	विनोद सेवन लाल चंद्राकर	42-महासम्नद
		5 6
	श	
01.	शक्नतला साह्	44-कसडोल
	्र शिवरतन शर्मा	46-भाटापारा
	शिवक्मार डहरिया, डॉ.	52-आरंग (अ.जा.)
04.	शिश्पाल सोरी	81-कांकेर (अ.ज.जा.)
05.	े शैलेष पाण्डेय	30-बिलासप्र
		3
	स	
01.	सत्यनारायण शर्मा	48-रायप्र ग्रामीण
	संतराम नेताम	82-केशकाल (अ.ज.जा.)
	संगीता सिन्हा	59-संजारी बालोद
04.	सौरभ सिंह	33-अकलतरा
	Sec.	
4		

छत्तीसगढ़ विधान सभा

शुक्रवार, दिनांक 04 जनवरी, 2019
(पौष-14, शक संवत् 1940)
विधान सभा पूर्वाहन 11:00 बजे समवेत हुई.
(सामयिक अध्यक्ष महोदय (श्री रामपुकार सिंह) पीठासीन हुए

समय :

11:00 बजे

<u>राष्ट्गीत</u>

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- अब राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" होगा । माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे राष्ट्रगीत के लिए कृपया अपने स्थान पर खडे हो जाए ।

(राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" की धुन बजाई गई)

समय :

11:01 बजे

निर्वाचित सदस्यों का स्वागत तथा एक मिनट का मौन

सामयिक अध्यक्ष महोद्य :- मैं, छतीसगढ़ की पंचम विधान सभा के लिये निर्वाचित माननीय सदस्यों का इस विधान सभा में हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत करता हूं ।

प्रदेश की इस सर्वोच्च जनप्रतिनिधि संस्था के सदस्य के रूप में निर्वाचित हम सब जनप्रतिनिधियों पर प्रदेश के सर्वांगीण विकास एवं जनकल्याण का गुरूतर उत्तरदायित्व है । राज्य के चह्ंमुखी विकास, सुख, शांति एवं समृद्धि के लिये हम सबको मिलकर सतत् प्रयास करना है ।

इस ऐतिहासिक एवं पवित्र अवसर पर सदन की कार्यवाही प्रारंभ करने के पूर्व, स्थापित परम्परा अनुसार हम सभी खड़े होकर एक मिनट का मौन धारण करेंगे ।

(सदन द्वारा एक मिनट का मौन धारण किया गया।)

.....श्री क्रैशी

कुरेशी\04-01-2019\a11\11.05-11.10

श्री सत्यनारायण शर्मा (रायपुर ग्रामीण) :- अध्यक्ष जी, विपक्ष का पूरा सफाया हो गया है, देखिये एक भी आदमी नहीं है ।

श्री दीपक बैज (चित्रकोट) :- विपक्ष का एक भी आदमी आने को तैयार नहीं है।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- नेता प्रतिपक्ष का नाम तय नहीं कर पाए । गिर्द्धयुद्ध चेल रहा है उनके बीच में ।

श्री दीपक बैज :- लगता है विपक्ष तो आने को भी तैयार नहीं है

समय :

11:05 बजे

निर्वाचित सदस्यों की सूची पटल पर रखा जाना

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ की ओर से प्राप्त भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना क्रमांक 308/पूर्व अनु0-1/छ.ग.-वि.स./2018, दिनांक 12 दिसम्बर, 2018 सचिव, विधान सभा पटल पर रखेंगे।

सचिव, विधान सभा (श्री चन्द्र शेखर गगराई) :- मैं, माननीय सामयिक अध्यक्ष महोदय के आदेश के अनुसरण में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ की ओर से प्राप्त भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना क्रमांक 308/पूर्व अनु0-1/छ.ग.-वि.स./2018, दिनांक 12 दिसम्बर, 2018, जिसमें छत्तीसगढ़ की पंचम विधान सभा के लिए निर्वाचित सदस्यों की सूची दी गई है, पटल पर रखता हं।

समय :

11:06 बजे

<u>सभापति तालिका की घोषणा</u>

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- विधान सभा की नियमावली के नियम 9 के उप नियम (1) के अधीन मैं निम्नलिखित सदस्यों को सभापति तालिका के लिए नाम-निर्दिष्ट करता हूं :-

- 1. श्री सत्यनारायण शर्मा
- 2. श्री धनेन्द्र साहू
- 3. श्री अमरजीत भगत
- 4. श्री देवेन्द्र बहाद्र सिंह
- श्री शिवरतन शर्मा

सदन को सूचना शपथ ग्रहण की कार्यवाही का सीधा प्रसारण

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- मुझे, सभा को यह सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि छत्तीसगढ़ की पंचम विधान सभा के प्रथम सत्र में माननीय सदस्यों के शपथ ग्रहण की कार्यवाही का सीधा प्रसारण दूरदर्शन केन्द्र रायपुर एवं निजी चैनलों द्वारा किया जा रहा है ।

समय

11.07 बजे

शपथ/ प्रतिज्ञान

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- अब समस्त माननीय सदस्य संविधान के अनुच्छेद-188 के अनुसर में संविधान की तृतीय अन्सूची के निर्धारित प्रारूप में शपथ लेंगे/प्रतिज्ञान करेंगे।

परम्परानुसार सर्वप्रथम माननीय मुख्यमंत्री, जो सदन के नेता हैं, शपथ लेंगे/प्रतिज्ञान करेंगे । तत्पश्चात मंत्रिमंडल के सदस्य, सभापित तालिका के लिए नाम-निर्देशित सदस्यगण शपथ लेंगे/प्रतिज्ञान करेंगे । इसके बाद शेष माननीय सदस्यगण क्रमशः निर्वाचन क्षेत्र क्रम के अनुसार नाम पुकारे जाने पर मेरे सामने आकर शपथ लेंगे या प्रतिज्ञान करेंगे और सचिव, विधान सभा की मेज पर रखी सदस्य नामावली पर अपने हस्ताक्षर करेंगे । जो माननीय सदस्य नाम पुकारे जाने पर अनुपस्थिति के कारण शपथ नहीं ले सकेंगे या प्रतिज्ञान नहीं कर सकेंगे, वे अंत में पुनः नाम पुकारे जाने पर शपथ ले सकेंगे या प्रतिज्ञान कर सकेंगे ।

म्ख्यमंत्री -

1. श्री भूपेश बघेल (छत्तीसगढ़ी में शपथ)

(मेजो की थपथपाहट)

मंत्रिमंडल के सदस्य

2. श्री टी.एस. सिंहदेव 10-अंबिकापुर (छत्तीसगढ़ी में प्रतिज्ञान) (मेजों की थपथपाहट)

-श्री गोविंद -

ठाकुर\04-01-2019\a12\11.10-11.15

3.	श्री तामध्वज साहू	63-दुर्ग ग्रामीण	(छत्तीसगढ़ी)
4.	श्री रविन्द्र चौबे	68-रविन्द्र चौबे	
5.	श्री डॉ प्रेमसाय सिंह टेकाम	०६- प्रतापपुर (अ.ज.जा.)	(छत्तीसगढ़ी)
6.	श्री मोहम्मद अकबर	72-कवर्धा	(प्रतिज्ञान)
7.	श्री कवासी लखमा	90-कोन्टा (अ.ज.जा.)	
अरविंद'	\04-01-2019\a13\11.15-11.20	जारी	.श्री अरविंद देवांगन
	सामायिक अध्यक्ष :- डाँ० शिवकुमार डह	रिया। (अनुपस्थित) श्रीमती अनि	ला भेडिया।
8.	श्रीमती अनिला भेंडिया	60- डौण्डीलोहारा (अ.ज.जा.)	(छत्तीसगढ़ी)
9.	श्री जय सिंह अग्रवाल	21- कोरबा	
10.	श्री गुरू रूद्र कुमार	67- अहिवारा (अ.जा.)	
11.	श्री उमेश पटेल	18 खरसिया (मेजों की थपथप	ाहट)(छत्तीसगढ़ी)
सभापात	ते तालिका के सदस्य -		
12.	श्री सत्यनारायण शर्मा	48- रायपुर ग्रामीण	(छत्तीसगढ़ी)
13.	श्री धनेन्द्र साहू	53- अभनपुर	(छत्तीसगढ़ी)
	Jest 1		शी अग्रवाल
अग्रवाल	T\04-01-2019\a14\11.15-11.20		
14.	श्री अमरजीत भगत	11-सीतापुर (अजजा)	
15.	श्री देवेन्द्र बहादुर सिंह	40-बसना	
सदस्य	गण (निर्वाचन क्षेत्र के क्रम में) -		
16.	श्री गुलाब कमरो	01-भरतपुर-सोनहत (अजजा)	
17.	श्री विनय जायसवाल	02-मनेन्द्रगढ़	(छत्तीसगढ़ी)
18.	श्रीमती अम्बिका सिंहदेव	03-बैकुन्ठपुर	(अंग्रेजी)

श्री श्रीवास

श्रीवास\04-01-2019\a15\11.25-11.30

19.	श्री खेलसाय सिंह	04-प्रेमनगर
20.	श्री पारसनाथ रजवाड़े	05-भटगांव
21.	श्री बृहस्पत सिंह	07-रामानुजगंज (अ.ज.जा.)
22.	श्री चिन्तामणि महराज	08-सामरी (अ.ज.जा.) (संस्कृत
23.	डॉ. प्रीतम राम	09-लुण्ड्रा (अ.ज.जा.)
24.	श्री विनय भगत	12-जशपुर (अ.ज.जा.)
		श्री मिश्रा

मिश्रा\04-01-2019\a16\.-.5

श्री अमरजीत भगत :- माननीय अध्यक्ष महोद्दर, माननीय पुन्नूलाल मोहले जी को भारतीय जनता पार्टी का नेता चुन लिया गया है, उनको नेता प्रतिपक्ष घोषित कर दिया जाए क्योंकि वह सदन में आ गये हैं।

25.	श्री यु.डी.मिंज	

13-कुनकुरी (अ.ज.जा.)

श्री चक्रधर सिंह सिदार 26.

15-लैलूंगा (अ.ज.जा.)

श्री प्रकाश शक्राजीत नायक 27.

16-रायगढ़

17-सारंगढ़ (अ.जा.)

श्रीमती उत्तरी गनपत जांगड़े 28.

(छत्तीसगढ़ी)

श्री लालजीत सिंह राठिया 19-धर्मजयगढ़ (अ.ज.जा.) 29.

श्री प्रमेश

प्रमेश\04-01-2019\a17\11.35-11.40

अप्री पुरुषोत्तम कंवर 30. 22-कटघोरा (छत्तीसगढ़ी)

श्री मोहित राम 23-पाली तानाखार (अ.ज.जा.) 31.

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- माननीय श्री अजीत जोगी, सदस्य, को उनके आसन पर ही शपथ लेने की अनुमति प्रदान की जाती है।

सचिव, विधानसभा, शपथ पत्र एवं शपथ लेने के उपरांत हस्ताक्षर हेतु सदस्य नामावली उनके आसन पर ही उपलब्ध करायें।

(सचिव, विधानसभा द्वारा शपथ पत्र एवं नामावली उपलब्ध कराई गई)

32. श्री अजीत जोगी 24-मरवाही (अ.ज.जा.) (छत्तीसगढ़ी)

33. डॉ.रेण् अजीत जोगी 25-कोटा

34. श्री धर्मजीत सिंह 26-लोरमी

श्रीमती सविता

सविता\04-01-2019\a18\11.40-11.45

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- माननीय श्री पुन्नूलाल मोहले, सदस्य, को अस्वस्थता के कारण उनके सुविधाजनक स्थान पर ही शपथ लेने की अनुमित प्रदान की जाती है।

सचिव, विधान सभा, शपथ पत्र एवं शपथ लेने के उपरांत हस्ताक्षर हेतु सदस्य नामावली उनकी स्विधाजनक स्थान पर ही उपलब्ध करवायें।

35. श्री पुन्नूलाल मोहले 27-(मुंगेली) (अ.जा.) (छत्तीसगढ़ी)

36. श्रीमती रिशम आशिष सिंह 28-(तखतप्र) (छत्तीसगढ़ी)

37. श्री शैलेष पांडे 30-(बिलासपुर)

38. श्री चरणदास महंत् (छत्तीसगढ़ी)

श्री चौधरी

चौधरी\04-01-2019\a19\11.45-11.50

39. औ रामकुमार यादव 36-चन्द्रपुर (छत्तीसगढ़ी)

40. श्री केशव प्रसाद चन्द्रा 37-जैजैप्र (छत्तीसगढ़ी)

41. श्रीमती इंद् बंजारे 38-पामगढ़ (अ.जा.)

42. श्री किस्मत लाल नंद 39-सराईपाली (अ.जा.)

43. श्री द्वारिकाधीश यादव 41-खल्लारी

श्रीमती नीर

नीरमणी\04-01-2019\b10\11.50-11.55

44.	श्री विनोद सेवन लाल चंद्राकर	42-महासमुंद	(छत्तीसगढ़ी)
4-		40 0	

45. श्री चन्द्रदेव प्रसाद राय 43-बिलाईगढ़ (अ.जा.)

46. सुश्री शकुन्तला साह् 44-कसडोल

47. श्री प्रमोद कुमार शर्मा 45-बलौदा बाजार

48. श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा 47-धरसीवा

.....श्री क्रैशी

कुरेशी\04-01-2019\b11\11.55-11.60

49.	श्री विकास उपाध्याय	49-रायपुर नगर पश्चिम
50.	श्री कुलदीप जुनेजा	50-रायपुर नगर उत्तर
51.	श्री अमितेश शुक्ल	54-ग्राजिम
52.	डॉ. लक्ष्मी ध्रव	56-सिहावा

53. श्रीमती संगीता सिन्हा

जारी-श्री ठाकुर-

ठाक्र\04-01-2019\b12\12.00-12.5

54.	श्री कुवरसिंह निषाद	61-गुडरदेही	(छत्तीसगढ़ी)
55.	श्री अरुपा वौरा	64-दुर्ग शहर	
56.	श्री देवेन्द्र यादव	65-भिलाई नगर	
57.	श्री आशीष कुमार छाबड़ा	69-बेमेतरा	
58.	श्री गुरूदयाल सिंह बंजारे	70-नवागढ़ (अ.जा.)	

जारी.....श्री अरविंद

अरविंद\04-01-2019\b13\12.05-12.10

59. श्रीमती ममता चन्द्राकर 71- पण्डरिया (छत्तीसगढी में)

60. श्री देवव्रत सिंह 73- खैरागढ़

61. श्री भुवनेश्वर शोभाराम बघेल 74- डोगरगढ़ (अ.जा.)

सामायिक अध्यक्ष :- डाँ० रमन सिंह (अनुपस्थित) श्री दलेश्वर साहू।

62. श्री दलेश्वर साह् 76- डोंगरगांव

श्री अमरजीत भगत :- माननीय अध्यक्ष जी, नेता प्रतिपक्ष के पद को बहुत अधिक देर तक रिक्त नहीं रखा जा सकता है। आप किसी ने किसी को नामिनेट करिये।

63. श्रीमती छन्नी चंद् साह् 77- खुज्जी

64. श्री इन्द्रशाह मण्डावी 78- मोहला मानप्र (अ.ज.जा.)

65. श्री अनूप नाग 79- अंतागढ़ (अ.ज.जा.)

....श्री अग्रवाल

अग्रवाल\04-01-2019\b14\12.10-12.15

66. श्री मनोज सिंह मण्डावी 80-भान्प्रतापप्र (अ.ज.जा.)

67. श्री शिश्पाल सोरी 81-कांकेर (अ.ज.जा.) (प्रतिज्ञान)

68. श्री संतराम नेताम 82-केशकाल ((अ.ज.जा.)

69. श्री मोहन मरकाम 💮 83-कोण्डागांव (अ.ज.जा.) (छत्तीसगढ़ी में प्रतिज्ञान)

70. श्री चंदन कश्यप 84-नारायणपुर (अजजा)

श्री श्रीवास

श्रीवास\04-01-2019\b15\12.20-12.25

श्री सत्यनारायण शर्मा :- अध्यक्ष जी, धरम के नाम पर दो लोग जीत कर आ गये । धर्मजीत सिंह और धरमलाल कौशिक और धरमलाल कौशिक नेता प्रतिपक्ष भी बन गये ।

71. श्री बघेल लखेश्वर 85-बस्तर (अ.ज.जा.)

72. श्री रेखचंद जैन 86-जगदलप्र

73. श्री दीपक बैज 87-चित्रकोट (अ.ज.जा.)

74. श्री विक्रम मण्डावी 89-बीजापुर (अ.ज.जा.)

सामयिक अध्यक्ष:- जो माननीय सदस्य शपथ/प्रतिज्ञान के समय उपस्थिति नहीं थे, मैं पुन: उनका नाम पुकारूंगा ।

- डॉ. शिवकुमार डहरिया
- श्री शिवरतन शर्मा
- श्री ननकीराम कंवर
- श्री धरमलाल कौशिक
- श्री रजनीश कुमार सिंह
- डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी
- श्री सौरभ सिंह
- श्री नारायण प्रसाद चंदेल
- श्री डमरूधर प्जारी
- श्री अजय चन्द्राकर
- श्रीमती रंजना दीपेन्द्र साह्
- श्री विद्यारतन भसीन
- डॉ. रमन सिंह
- श्री भीमा मंडावी

समय :

12:24 बजे

अध्यक्ष का निर्वाचन

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्यसंचालन संबंधी नियमावली के नियम (7) के उप नियम (1) एवं (2) के अंतर्गत विधान सभा का अध्यक्ष चुने जाने के लिए माननीय सदस्य श्री चरणदास महंत हेतु पृथक-पृथक प्रस्तावकों की ओर से पांच प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं।

विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम (7) के उप नियम (4) के अंतर्गत प्राप्त प्रस्ताव एक-एक करके उसी क्रम में रखे जायेंगे जिस क्रम में वे प्रस्त्त किये गये हैं।

जारी...श्री मिश्रा

मिश्रा\04-01-2019\b16\.-.5

<u>प्रथम प्रस्ताव</u>

मुख्यमंत्री (श्री भूपेश बघेल) :- अध्यक्ष महोदय, मैं, प्रस्ताव करता हूं कि - श्री चरणदास महंत, जो इस विधानसभा के सदस्य हैं, को विधानसभा का अध्यक्ष चुना जाए।

गृहमंत्री (श्री तामध्वज साहू) :- अध्यक्ष महोदय, मैं, इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं । (मेंजों की थेपथपाहट)

द्वितीय प्रस्ताव

संसदीय कार्य मंत्री (श्री रविन्द्र चौबे) :- अध्यक्ष महोदय, मैं, प्रस्ताव करता हूं कि - श्री चरणदास महंत, जो इस विधानसभा के सदस्य हैं, को विधानसभा का अध्यक्ष चुना जाए।

स्कूल शिक्षा मंत्री (डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम) : अध्यक्ष महोदय, मैं, इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं ।

(मेजों की थपथपाहट)

ततीय प्रस्ताव

श्री धर्मजीत सिंह (लोरमी): अध्यक्ष महोदय, मैं, प्रस्ताव करता हूं कि - श्री चरणदास महंत, जो इस विधानसभा के सदस्य हैं, को विधानसभा का अध्यक्ष चुना जाए।

डॉ. रेणु अजीत जोगी (कोटा):- अध्यक्ष महोदय, मैं, इस प्रस्ताव का समर्थन करती हूं। (मेजों की थपथपाहट)

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि- श्री चरणदास महंत, जो इस विधानसभा के सदस्य हैं, को विधानसभा का अध्यक्ष चुना जाए।

सामियक अध्यक्ष महोदय :- प्रश्न यह है कि - श्री चरणदास महंत, जो इस विधानसभा के सदस्य हैं, को विधानसभा का अध्यक्ष चुना जाए।

(प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत ह्आ।)

(मेजों की थपथपाहट)

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- मैं, श्री चरणदास महंत को विधान सभा का विधिवत निर्वाचित अध्यक्ष घोषित करता हूं।

(मेजों की थपथपाहट)

(माननीय सदस्यों द्वारा श्री चरणदास महंत को उनके आसन पर जाकर बधाई दी गई।)

सामयिक अध्यक्ष महोदय :- श्री चरणदास महंत के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने पर मैं, अपनी ओर से एवं सदन की ओर से बधाई देता हूं एवं अभिनंदन करता हूं। इस अवसर पर में, पक्ष एवं प्रतिपक्ष दोनों ही सदस्यों की सराहना करता हूं, जिन्होंने इस सभा के सर्वोच्च पद पर श्री चरणदास महंत को सर्वसम्मति से निर्वाचित कर पीठासीन किया और उच्च कोटि की संसदीय परंपरा को स्थापित किया है। अध्यक्ष इस सर्वोच्च जनप्रतिनिधि सभा का प्रतीक है

श्री प्रमेश

प्रमेश\04-01-2019\b17\12.25-12.30

जारी......सामयिक अध्यक्ष महोदय :- अध्यक्ष इस सर्वोच्च जनप्रतिनिधि संस्था का प्रतीक है और मेरा विश्वास है कि आज इस पद पर सर्वसम्मति से आसीन होने वाले श्री चरण दास महंत दोनों पक्षों को साथ लेकर सदन का संचालन निष्पक्षता के साथ करेंगे। मैं पुन: श्री चरण दास महंत जी का अभिनंदन करता हूं, बधाई देता हूं और अनुरोध करता हूं कि श्री चरण दास महंत इस आसंदी को ग्रहण करें। मेरा माननीय मुख्यमंत्री जी एवं संसदीय कार्यमंत्री जी से अनुरोध है कि वे कृपया उन्हें ससम्मान आसंदी तक लाये।(मेजों की थपथपाहर)

(मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल एवं संसदीय कार्यमंत्री श्री रिवन्द्र चौबे द्वारा अध्यक्ष महोदय डॉ. चरण दास महंत को आसंदी तक लाये।)

समय :

(अध्यक्ष महोदय (डॉ. चरण दास महंत) पीठासीन हुए)

(मेजों की थपथपाहट)

श्री सत्यनारायण शर्मा:- अध्यक्ष महोदय प्वाईंट आफ आर्डर। धोती से धोती टकराए तो बादल को पसीना आ जाये। (हंसी)

मुख्यमंत्री (श्री भूपेश बघेल) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके सर्वसम्मित से निर्वाचित होने पर आपको बहुत-बहुत बधाई, शुभकामनांए। पंचम विधानसभा में आप अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुए हैं। बहुत सुदीर्घ संसदीय प्रक्रिया का अनुभव है। मध्यप्रदेश के विधानसभा में भी आप सदस्य रहे। मंत्री के रूप में भी आपने काम किया। लोकसभा सदस्य और केन्द्रीय मंत्री के रूप में भी आपने काम किया है लेकिन छत्तीसगढ़ बनने के बाद प्रथम बार आप विधानसभा में आप आये हैं और आपको पुन: मैं बधाई देता हूं। साथ ही अध्यक्ष पूरे सदन का नेतृत्व करते हैं और सभी दलों को, सभी पक्षों को लेकर जो मान्य परंपरा है और विधानसभा की नियमावली है उसके अनुरूप आप संचालित करेंगे। मैं ममझता हूं कि जो परंपरा, उच्च परंपरा छत्तीसगढ़ विधानसभा की रही है आपके नेतृत्व में और उंचाईयों को छूवेगा। मैं पुन: आपको बधाई देता हूं, शुभकामनाएं देता हूं। (मेजों की थपथपाहट)

श्री धर्मजीत सिंह (लोरमी) :- आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आप छत्तीसगढ़ के प्रजातंत्र के सर्वोच्च मंदिर यहां की विधानसभा के सर्वसम्मित से अध्यक्ष चुने गये हैं। छन्तीसगढ़ के लोगों का भला करने उनके जीवन स्तर को बढ़ाने हमारी समस्याओं की चर्चा करने, सरकार की योजनाओं को लागू करने, सरकार के वित्तीय प्रबंधन करने, सरकार की खामियों को ठठाने का इससे ज्यादा पवित्र और सशक्त मंच छत्तीसगढ़ में नहीं है। कांग्रेस पार्टी ने आपको अध्यक्ष के पद पर चयनित किया, मैं समझता हूं कि विधानसभा अध्यक्ष के लिए आपका जो चयन हुआ है उससे अच्छा चयन और कुछ नहीं हो सकता था। प्रतिपक्ष में हैं अध्यक्ष महोदय, प्रतिपक्ष ने भी आपको समर्थन दिया। विशाल बहुमत है, जनादेश 68 का है। प्रतिपक्ष पिछले बार से कमजोर हैं। अध्यक्ष जी, क्वांटिटी उधर बहुत जरूर है, पर क्वालिटी में हम भी कम नहीं हैं। क्वालिटी इधर है।

......जारी श्रीमती सविता

सविता\04-01-2019\b18\12.30-12.35

अध्यक्ष जी आप छत्तीसगढ़ में मंत्री रहे, दिल्ली में भी आप सांसद रहे, मंत्री रहे, आपने पार्लियामेंट की भी कार्यवाही देखी, भाग लिया। विधान सभा की भी कार्यवाही आपने देखी, भाग लिया। आप सत्ता में भी रहे, आपको प्रतिपक्ष का भी अनुभव है। अध्यक्ष जी, में विपक्ष की ओर से आपको बधाई देता हूँ और इस कार्य में, इस कार्य को संपन्न कराने में सर्वानुमित लाने में श्री रविन्द्र चौबे जी जो बहुत ही अनुभवी नेता हैं और पार्लियामेंट्री मिनिस्टर हैं उनको भी धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने प्रतिपक्ष से पहल की और अध्यक्ष जी जब आप अध्यक्ष बन गये हैं तो संसदीय कार्यमंत्री को ही पक्ष और विपक्ष के बीच में जब कभी कोई तनाव की स्थित आये, जब कोई मदभेद की स्थित आये तो उनका रोल बहुत महत्वपूर्ण रहेगा।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूँ कि 68 के बहुमत के बाद सरकार निश्चित रूप से कहीं न कहीं अहंकार की तरफ जाएगी और जब हम अपनी बात कहेंगे, संख्या बल कम है तब हमें आपके सहारे की जरूरत पड़ेगी तो मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूँ कि जब आप बैठे तो थोड़ा आपके सिर का एंगल हमारी तरफ ही ज्यादा रहे, क्योंकि हमारी आवाज को ताकत आप देंगे। हमारी आशा के केन्द्र बिन्दु हैं। आप सदन के सर्वोच्च पद पर बैठे हैं अगर आपका संरक्षण मिलेगा तो हम विपक्ष की आवाज को सरकार तक पहुँचायेंगे, सरकार के अच्छे कामों का समर्थन करेंगे और सरकार की गलत नीतियों का हम विरोध करेंगे और उस वक्त आपके संरक्षण की आवश्यकता है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, नियमों से सदन चलता है, लेकिन इस प्रदेश में कई परम्पराएं भी कायम हुई हैं। आप भी अगर चाहें तो स्वस्थ परम्परा को कायम कर सकते हैं, उसमें नियम कहीं पर भी आड़े नहीं आएगा और छत्तीसगढ़ का विधान सभा इस बात के लिए गौरवान्वित है कि छत्तीसगढ़ बनने के बाद हम यहां के नियम जो बनाये थे, उसको भारत के पार्तियामेंद में भी स्वीकार उसको किया गया कि गर्भगृह में आने वाला स्वमेव निलंबित होता है। 18 साल बाद, दिल्ली में सरकार, पार्लियामेंट को समझ में आया और यहां के उदाहरण को उन्होंने अपने यहां अंगीकार किया।

माननीय अध्यक्ष महोदय, आप बेहद अनुभवी हैं। आप सौम्य, शिष्ट हैं और आप एक महान पिता के होनहार पुत्र हैं इसलिए मैं आपको बधाई देता हूँ और आपसे अपेक्षा करता हूँ कि विपक्ष को अपनी आवाज उठाने में आप हमें सहयोग करेंगे और हम सरकार के गलत कामों के बारे में जब यहां बोले तो हमें जब कोई दबाने की कौशिश करे तो आप हमें बचाने का प्रयास करेंगे। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ, इन्हीं मांग के साथ, अध्यक्ष जी आपके प्रति बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूँ कि आपके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की विधान सभा का नाम पूरे हिन्दुस्तान की विधानसभाओं में सर्वोच्च श्रेणी पर लिखा जाए। आपको बहुत-बहुत बधाई।

श्री मोहन मरकाम (कोन्डागांव) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, पंचम विधान सभा के विधान सभा अध्यक्ष बनने के लिए आपको तहे दिल से, इस सदन की ओर से छत्तीसगढ़ के ढाई करोड़ जनता की ओर से बहुत-बहुत बधाई, शुभकामनाएं देता हूँ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, हम बस्तर जैसे दूरस्थ अंचलों से चुनकर आते हैं। सरगुजा जैसे क्षेत्र से हमारे बहुत से विधायक 14 में चुनकर आते हैं। वह अपनी बात रखेंगे, वहां की समस्याओं को रखेंगे। नये विधायकों को भी आपका संरक्षण मिलेगा और जो इस सदन की मान्य परम्पराएं रही हैं, उन मान्य परम्पराओं के अनुसार यह सदन चलेगा, आपका संरक्षण मिलेगा, उसके साथ-साथ आपका लम्बा संसदीय

ज्ञान है, केन्द्रीय मंत्री रहे हैं। मध्यप्रदेश विधान सभा के सदस्य भी रहे हैं कहीं न कहीं लाभ छत्तीसगढ़ की जनता को, इस विधान सभा को मिलेगा। आपको अध्यक्ष बनने की बहुत-बहुत बधाई, श्रभकामनाएं।

संसदीय कार्यमंत्री (श्री रिवन्द्र चौबे) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आज विधान सभा के अध्यक्ष की आसंदी पर आपको विराजमान करते हुए आपको बहुत बधाई देता हूँ। लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का हम सब ने पालन किया छत्तीसगढ़ की विधान सभा के उच्च मापदण्डों के अनुसार विधान सभा अध्यक्ष का चुनाव भी सर्वानुमित से किया गया। इसलिए हमारे प्रतिपक्ष के साथियों को भी बधाई देगा। गठबंधन दल के हमारे नेता आदरणीय धर्मजीत भईया को भी बधाई दूंगा और विशेष रूप से आपको बहुत बधाई और बहुत शुभकामनाएं। छत्तीसगढ़ विधान सभा पूरे छत्तीसगढ़ की जनमानस का विचारों का प्रतिबिंब यहां हम सबको दिखाई देगा। माननीय अध्यक्ष महोदय, हम सब का बहुत सौभाग्य है कि लगातार बहुत दिनों बाद इस सदन में आपको देखने को मिलेगा कि दो-दो पूर्व मुख्यमंत्री इस सदन में विराजमान होंगे

जारी श्री चौधरी

चौधरी\04-01-2019\b19\12.35-12.40

पूर्व जारी.. श्री रविन्द्र चौबे :- इस सदन में आपको देखने को मिलेगा कि इस सदन मे दो-दो पूर्व म्ख्यमंत्री विराजमान होंगे, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष जी इस सदन में विराजमान होंगे। विधानसभा के दो-दो पूर्व उपाध्यक्ष इस सदन में विराजमान होंगे। संसदीय कार्य विभाग के जानकार चार-चार पूर्व संसदीय कार्य मंत्री इस सदन में विराजमान होंगे। यह सदन पूरे छत्तीसगढ़ की जन-भावनाओं के अन्रूप अपनी बातों में, चूंकि हम यह मानकर चलते हैं कि यह विधानसभा लोकतंत्र की सबसे बड़ी और सबसे पवित्र मंदिर है। राजनीतिक प्रतिबद्धताएं हो सकती हैं लेकिन हम सबका विचार छत्तीसगढ़ का विकास करना है। हम सब यह मानकर चलते हैं कि इस सदन में लगातार चर्चा होनी ही चाहिए। छत्तीसगढ़ विधानसभा की मरपरा रही है कि हिन्दुस्तान की सभी विधानसभाओं से सबसे ज्यादा बैठकें इस विधानसभा में होती रही हैं। हमारी बहुत सारी ऐसी नीतियां हैं, हम सब लोगों ने उसको आत्मसात किया हुआ है, हम गर्भगृह में जायेंगे तो निलंबित हो जायेंगे। विचारों की स्वतंत्रता होती है, हम सब लोग अपूर्नी बात कहते हैं। संविधान निर्माताओं ने कितना अच्छा संविधान का निर्माण किया था। इस लोकतंत्र में हम लोग यह मानकर चलते हैं कि सबसे आखिरी पंक्ति का आखिरी व्यक्ति भी इस सदन में चुनकर आ सकता है और अपनी बात को कह सकता है। इस बार के विधानसभा च्नाव में हमारे आदरणीय भाई रामक्मार यादव जी यहां विराजमान हैं। आदरणीय अध्यक्ष जी, जब संपत्ति का ब्यौरा दिया जाता है तो उन्होंने अपना ब्यौरा दिया कि मकान नहीं है, उनके पास बैंक एकाउण्ट नहीं है, नगद नहीं है। गरीबी से जीने वाला व्यक्ति भी चुनकर आया है, लोकतंत्र की इतनी सफलता और इससे बड़ा उदाहरण इस छत्तीसगढ़ में जो आज इस सदन में मिला है, वह कभी और कहीं नहीं मिल सकता। लेकिन माननीय

अध्यक्ष महोदय, आसंदी की बड़ी जिम्मेदारी है। सरकार में हैं, हमें जनादेश मिला है, कोई दो तिहाई की, कोई तीन चौथाई की बात करते थे, छत्तीसगढ़ की जनता ने हमें तीन चौथाई से भी बड़ा जनादेश दिया है। हमारे सामने चुनौती है, लेकिन हमारी जिम्मेदारी का हमें अहसास है। लेकिन उन सारी बातों को करने के लिए इस सदन में आवश्यक है कि सारी बातों में चर्चा हो। मैं मेरे प्रतिपक्ष के साथियों को भी शुभकामनाएं देता हूं। हम लोग अभी चिन्तित हो गये थे कि गृहयुद्ध जैसा माहौल दिखने लगा था। कौन कहां है, हम लोग अभी पता कर रहे थे। अभी जब आप सब आये न, मैं समझ रहा हूं।

आबकारी मंत्री (श्री कवासी लखमा) :- हम लोग यह सोचकर बहुत दुखी थे कि कही मारपीट तो नहीं हो रही है।

श्री रविन्द्र चौबे :- अब कवासी जी ने जो बात कही, मैं उस बात को दोहराना नहीं चाहता। हमारी शुभकामनाएं हैं। हालांकि कभी कहा करते थे कि आप कहां तक सिमद जायेंगे, अपनी स्थित में आत्मवलोकन करने का भी समय है। यह राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की जगह नहीं है, लेकिन अध्यक्ष जी, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि विद्वान सदस्य हैं, संस्दीय जानकार हैं, 15 साल हुकूमत में रहे हैं, छत्तीसगढ़ की पूरी जानकारी है कि किन कार्यों के कारण कभी हम यहां, कभी आप वहां रहते हैं। लेकिन ये सदन वह मंच होता है जहां हम सबको जनता की आवाज को प्रतिबिंबित करना है। हमारा सौभाग्य है कि आप जैसे हमे अध्यक्ष मिले। मध्यप्रदेश की विधानसभा में भी आपके साथ काम करने का अवसर मिला। हिन्दुस्तान के सबसे सर्वोच्च मंच लोकसभा में भी आपको काम करने का अवसर मिला और इस विधानसभा में अध्यक्ष की आंसदी में हमारे आदरणीय नेता माननीय भूपेश बघेल जी ने, कांग्रेस के पूरे पक्ष ने आपकी उम्मीदवारी तथ की और सौभाग्य से प्रतिपक्ष के भी मित्रों ने सर्वानुमित से आपका निर्वाचन किया। हमारे आदरणीय भैया धर्मजीत जी के नेतृत्व में जोगी कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी के गठबंधन ने भी आपको समर्थन दिया, तो आपकी जिम्मेदारी बढ़ जायेगी। निश्चित रूप से हमें मर्यादाओं, नीतियों, संसदीय प्रणाली के बीच बहुत अवसर मिलेंगे। ...(जारी)...

श्रीमती नीर

नीरमणी\04-01-2019\c10\12.40-12.45

जारी.......शी रविन्द्र चौबे :- निश्चित रूप से हमें मर्यादाओं की भी, नीतियों की भी तथा जो संसदीय प्रणाली है उसके भी हमें बहुत अवसर मिलेंगे, प्रतिपक्ष को भी बहुत अवसर मिलेंगे और मिल-जुलकर के हम सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के विकास की जो कल्पना करते हैं वह सारी चर्चा इस सदन में हो उसके लिये आपका संरक्षण, आपका सहयोग हम सबको अपेक्षित है और जिस प्रकार हम कल्पना करते हैं कि हमारा अपना छत्तीसगढ़ हिंद्स्तान का सबसे समृद्ध राज्य बनेगा । उस सपने को साकार करने

के लिये जितने हमारे सदस्य हैं, नये से नये सदस्य चुनकर आये हैं, हमारे आदरणीय रामपुकार सिंह जी आठवीं बार विधानसभा में आये हैं तो सबका ण्मार्गदर्शन हम सबको मिलेगा । सदन में चर्चा हो, सबको अवसर मिले और आने वाले समय में आपके संरक्षण में छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास के लिये जितनी चर्चाएं इस सदन में आवश्यक होंगी, हम सब करायेंगे पुन: आपके प्रति आभार, आपको बहुत-बहुत बधाई, आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं । धन्यवाद । (मेजों की थपथपाहट)

श्री अजीत जोगी (मरवाही) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मोला अब्बड़ खुशी होत हे आप ला अपन सदन के आसंदी मा हमर अध्यक्ष के रूप मा देख के । मैं आप ला स्रता दिलात हंओं कि आप एक अब्बड़ समृद्ध विरासत के धनी हओ । हमन एके जिले से आथन । आपके पिता स्वर्गीय श्री बिसाहू दास महंत जी हमर राज्य के अऊ विशेषकर छत्तीसगढ़ के एक आदर्श जुनप्रतिनिधि रिहिस, एक आदर्श मंत्री रिहिस । मैं जब कॉलेज में पढओं ता ओकर कमरा में जाओं भुजिया खाये बर अऊ अब्बड़ प्रेम से वो हम सबला छत्तीसगढ़िया के रूप मा प्रेम करत रिहिस । आप उही विरासत के धनी हओ, अऊ आपसे हम सबके अपेक्षा है कि उही विरासत ला आप आगे बढाओ । छत्तीसगढ़िया सम्मान, छत्तीसगढ़िया वैभव, छत्तीसगढ़िया के धनाढ़य संस्कृति ए सब ला ए सद्दन के माध्यम से हम ला आगे ले जाना है अऊ मैं जब आप ला शुभकामना देवत हंओं ता ए उम्मीद के साथ शुभकामना देवत हंओं कि आप हमर छत्तीसगढिया संस्कृति, हमर छत्तीसगढिया भाषा हमर छत्तीसगढिया मेल-मिलाप, आपस के प्रेम एला सदन के माध्यम से आदर्श रूप से आगे बढ़ाहा। में नइ सोच सकओं कि हमन जतेक इंहा बैठे हन ओमा आपसे अऊ कोनो योग्य व्यक्ति ए पद पर चुने जा सकत रहिस अऊ ऐकर सबसे बड़े प्रमाण ये है कि सबे पार्टी पक्ष-विपक्ष अऊ जेन हमर तीसरा शक्ति है तीनों मिलके आपला च्ने हन । आपला ए गद्दी मा आसीन करे हन । हमर आपेलो अनेत अशेष श्भकामना है अऊ आपला संसदीय परम्परा के विषय मा स्रता दिलाये के जरूरत नेइ है। आप अविभाजित मध्यप्रदेश मा रहे हओ, वहां के विधानसभा मा । आप हमर देश के सर्वोच्च पंचायत लोकसभा मा मंत्री के रूप में रहे हओ अऊ आप हमर छत्तीसगढ़ के विधानसभा मा भी सदस्य बने हओ ता संसदीय परम्परा आप ओला बह्त अच्छे से जानत हओ, ऐमा पक्ष अञ्जविपक्ष दोनों है परंतु अगर अध्यक्ष ला कोनो तरफ ज्यादा झुकना पड़ही ता मोला पूरा उम्मीद है कि आप विपक्ष की तरफ झुकिहा काबर कि इहां संख्या बल बहुत कम है । अंत में मैं फिर से आप ला बह्त-बहुत शुभकामना देवत हंओं ।जारी

.....शी क्रैशी

क्रैशी\04-01-2019\c11\12.45-12.50

जारी......शी अजीत जोगी :- काबर कि यहां संख्या बल बहुत कम है। अंत में मैं फिर से आप ला बहुत-बहुत शुभकामना देवत हौं। आप ला देख के मोला आपके पिताश्री के सुरता आए हे, आप उंखरे समान हमन ला मार्गदर्शन दे के आगे बढ़ाहौ, अइसे हमर आसा हे, आप ला लक्षाधिक बधाई।

श्री केशव प्रसाद चन्द्रा (जैजैपुर) :- अध्यक्ष महोदय, एक स्वच्छ परम्परा के तहत आपला अध्यक्ष निर्वाचित होए के सबले पहिली मोर तरफ अउ मोर दल के तरफ ले बधाई । आसंदी, हम सब ला संरक्षण देथे, ए बात के लिए कि हम प्रदेश के समस्या ला सदन में रख सकें । सरकार कहीं चूक करत है, सरकार कहीं भूल करत है, सरकार के बनाए योजना के अगर आम जनता ला लाभ नई मिलत है, तो वो भूल चूक ला हम सदन के माध्यम से सरकार ला अवगत करा सकत हन । अध्यक्ष महोदय, अइसे पिरिस्थिति मा आसंदी के संरक्षण के सबले ज्यादा आवश्यकता पड़थे, अउ विपक्ष ला संरक्षण के सबले ज्यादा आवश्यकता है । अउ ए पिरिस्थिति मा तो संरक्षण के अउ ज्यादा आवश्यकता है कि अभी के जो सरकार है बहुत ज्यादा बहुमत से बने है । मैं उम्मीद करत हों, मीला विश्वास है, अइसे विकास के बात होए, कोई सार्थक बात होए तो आपके संरक्षण हमन ला मिलय । आपके साथ ही सदन के सब्बो सदस्य ला धन्यवाद देत हों कि यहां अध्यक्ष के निर्वाचन मा जो स्वच्छ परम्परा चले हावय, ओमा सब के सहमित रिहिस । सब्बो झन सहयोग दिन हावय अउ सर्वसम्मित से आप ला चुनिन हावय । एखर लिए सब सदस्य ला बधाई देवत हों । आप ला पुनः बधाई देवत हों ।

श्री अमरजीत भगत (सीतापुर) माननीय अध्यक्ष महोदय, आपको अध्यक्ष निर्वाचित होने पर मैं अपनी ओर से बधाई देता हूं । आपका यह निर्वाचन सर्वसम्मित से हुआ है । इस बार विधान सभा में सत्तारूढ़ दल के सदस्यों की संख्या 68 है और भारतीय जनता पार्टी सिहत विपक्ष की संख्या सीमित है । इसके संचालन में कहीं से दिक्कत नहीं होगी क्योंकि वन-वे है । भारतीय जनता पार्टी पहले कहा करती थी हमारी संख्या अगली बार सिमटकर कुछ ही रह जाएगी । अध्यक्ष महोदय, यहां उल्टा हो गया । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिशन 65 कहा करते थे ।

श्री शिवरतन शर्मा :- (XX)

श्री अमरजीत भगत :- 65 जो है, वह उल्टा हो गया । अब भारतीय जनता पार्टी की स्थिति यह रह गई है कि ढूंढते रह जाओगे । कहां से कहां तक है वह देखना पड़ता है । अध्यक्ष महोदय,आपका स्वभाव, आपका बड़ा दिल ।

श्री धर्मजीत सिंह :- अभी तो एक सीट खाली है, उसको खोजो । बाकी इधर बाद में खोजना ।

श्री अमरजीत भगत :- वास्तव में छत्तीसगढ़ की इस विधान सभा को बहुत ऊंचाई पर ले जाएगा ।

श्री अजय चन्द्राकर :- (XX)1

श्री संतराम नेताम :- आपको पूरा मौका मिलेगा, उन्हें बोलने तो दो ।

श्री मनोज सिंह मंडावी :- अभी इसी घमंड के कारण गए हो आप ।

श्री अमरजीत भगत :- आपको इतने में ही क्यों लग रहा है कि आपको दुवाया जा रहा है ।

श्री केशव प्रसाद चन्द्रा :- अमरजीत भइया, अब आपको बोलना नहीं है, करना है ।

श्री अमरजीत भगत :- यही मौका तो है, अब सरकार में है तो इसके बाद क्या बोलेंगे ।

श्री बृहस्पत सिंह :- पूर्व संसदीय मंत्री महोदय, घुटन महसूस मृत करिये ।

श्री धर्मजीत सिंह :- आप विचलित मत होइए, भटकिये मत । एक सीट खाली है लक्ष्य का ध्यान रखिए और उस पर बात करिये ।

श्री शिवरतन शर्मा :- (XX)

श्री अमरजीत भगत :- विपक्ष को क्यों ऐसा लगने लगा कि हमको दबाया जाएगा, अध्यक्ष महोदय, मैं तो आपसे अनुरोध करूंगा कि पिछली विधान सभा रात को 3-3, 4-4 बजे तक चलती थी। वैसी नहीं चलाएंगे और समय सीमा में ही चलाएंगे, समय सीमा में ही सबको काम करने का अवसर मिलेगा। आपके निर्वाचन में पक्ष और विपक्ष के सभी साथियों ने सहयोग दिया उसके लिए सभी को साधुवाद देते हुए आपको पुन: बधाई देते हुए आपनी बात समाप्त करता हूं, धन्यवाद।

श्री गोविंद -

ठाकुर\04-01-2019\c12\12.50-12.55

1 (XX) शपथ न लिए जाने के कारण रिकार्ड नहीं किया गया ।

समय :

12:52 बजे

शपथ/प्रतिज्ञान

अध्यक्ष महोदय:- निम्नलिखित माननीय सदस्य अब सभा में उपस्थित हैं। मैं उनका नाम पुकारूंगा, वे कृपया शपथ ग्रहण हेतु मेरे सामने आकर शपथ लेंगे एवं विधानसभा सचिव की मेज पर रखी नामावली पर अपने हस्ताक्षर करेंगे। श्री शिवरतन जी शर्मा।

75. श्री शिवरतन शर्मा

46-भाटापारा

(छत्तीसगढ़ी)

अध्यक्ष महोदय :- श्री ननकी राम कंवर।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- अब गड़बड़ नइ करिहो, ये शपथ ले ले भैय्या शिवरतन। (हंसी)

श्री अजय चंद्राकर:- (xx)2

श्री सत्यनारायण शर्मा :- अब आप की भी कथा कहें तो यहीं से ही आपकी कथा शुरू कर दें।

श्री अजय चन्द्राकर :- (xx)

श्री सत्यनारायण शर्मा :- बिलकुत-बिलकुल। और हमकों करना क्या है ? हमको यही तो करना है।

अध्यक्ष महोद्य- कृपया शपथ चलने दें।

76. श्री ननकी राम कंवर

20-रामपुर (अ.ज.जा.)

अध्यक्ष महोदय :- श्री धरम लाल जी कौशिक।

श्री दीपक बैज (चित्रकोट):- शिवरतन भैय्या। कैसा लग रहा है उधर ? बढ़िया लग रहा होगा न। श्री शिवरतन शर्मा :-देखो हम तो जहां थे वहां हैं। अभी सत्तु भैय्या, धनेन्द्र भैय्या, अमरजीत सिंह जी से पूछो कैसे लग रहा है? अब इनको बधाई दें या संवेदना व्यक्त करें, ये आप स्पष्ट कर दो।

² (xx) रिकार्ड नहीं किया गया।

एक माननीय सदस्य :- 60 प्लस करके आये हैं। श्री शिवरतन शर्मा :- हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने आप के लिए कहा था 65। अध्यक्ष महोदय :- माननीय सदस्य शपथ ले रहे हैं, कृपया शांत रहें।

77. श्री धरमलाल कौशिक 29-बिल्हा (छत्तीसगढ़ी)

जारी.....शी अरविंद

अरविंद\04-01-2019\c13\12.55-12.60

78.	श्री रजनीश कुमार सिंह	31- बेलतरा	(छस्तीसगढ़ी)
79.	डॉ0 कृष्णमूर्ति बांधी	32- मस्तूरी (अ.जा.)	(छत्तीसगढ़ी)
80.	श्री सौरभ सिंह	33- अकलतरा	(छत्तीसगढ़ी)
81.	श्री नारायण प्रसाद चंदेल	34- जांजगीर-चाम्पा	
82.	श्री बृजमोहन अग्रवाल	51- रायपुर नगर दक्षिण	(छत्तीसगढ़ी)
83.	श्री डमरूधर पुजारी	55 - बिन्द्रामवागढ (अ.ज.जा.)	

.....श्री अग्रवाल

अग्रवाल\04-01-2019\c14\1.00-05

समय : 1:00 बजे

84. श्री अजय चन्द्राकर	57-कुरूद	
85. श्रीमती रंजना डीपेन्द्र साहू	58-धमतरी	
86. श्री विद्यारतन भसीन	66-वैशालीनगर	(प्रतिज्ञान)
87. डॉ. रमन सिंह	75-राजनांदगांव	

(अध्यक्ष महोदय द्वारा श्री भीमा मण्डावी का नाम पुकारे जाने पर)

श्री दीपक बैज :- अध्यक्ष महोदय, भीमा मण्डावी किस्मत वाले हैं, बाल-बाल बच गए । (हंसी)

88. श्री भीमा मण्डावी

88-दंतेवाड़ा (अ.ज.जा.)

श्री श्रीवास

श्रीवास\04-01-2019\c15\01.05-01.10

डॉ. रमन सिंह (राजनांदगांव) :- अध्यक्ष महोदय, आज मेरे लिये यह सौभाग्य का दिन है कि इस विधान सभा में मैंने शपथ लिया । सभी सदस्यों को बधाई देना चाहूंगा, जो आज यहाँ उपस्थित हैं । सब को मेरी ओर से बधाई । मैं सबसे पहले माननीय अध्यक्ष जी आपको, पूरी पार्टी की और से डॉ. चरणदास महंत जी को इस विधान सभा का अध्यक्ष बनने के लिए बह्त-बह्त शुभकामनायें और बधाई देता हूँ। एक संवेदनशील व्यक्तित्व, संसदीय परम्पराओं और संवैधानिक प्रक्रियाओं के जीनकार, एक ऐसा व्यक्ति जो पूरे जीवन में न केवल छत्तीसगढ़ बाकी मध्यप्रदेश और राष्ट्रीय स्तर की राजनीति में अपनी प्रतिभा को बार-बार स्थापित किया । आज यहां विधान सभा के अध्यक्ष के रूप में सदन में जिस पद को आप स्शोभित कर रहे हैं, निश्चित रूप से उसकी गरिमा आपके बैठने से और बढ़ेगी । मुझे विश्वास है कि आपके सामाजिक और राजनीतिक अनुभव का लाभ इस विधान सभा को, हम सब को मिलेगा । 40 वर्षों से सक्रिय राजनीति, 1980 में पहली बार विधायक के नाते, कृषि मंत्री, वाणिज्य मंत्री, के रूप में और उसके साथ ही साथ आपने एक उर्जा के साथ प्रखर नेतृत्व प्रदान किया । एक संसद सदस्य के रूप में 12वीं, 13वीं और 15वीं, सभा में छत्तीसगढ़ के विकास को पूरी दृढ़ता के साथ लोक सभा में आपने रखने का काम किया । यूपीए-2 के 📆 मेनमोहन सिंह की सरकार में आपके द्वारा खाद्य प्रस्संकरण उद्योग राज्य मंत्री के तौर पर अनेक निर्णय लिये गये । निश्चित रूप से उस समय जब आप सांसद थे, पर्यावरण वन समिति, विज्ञान प्रौदयौगिकी समिति, कोयला मंत्रालय में आपने महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया । मुझे इस बात की खुशी है कि आपकी भूमिका पूरे इस विधान सभा को समेट कर चलेगी और एक उस प्रवृत्ति को आप रखेंगे, उस संवेदनशीलता को जो आप जीवन भर 40 साल की राजनीति में आपने दिखाया है, उसको और स्थापित करेंगे । विधान सभा के सभी सदस्यों को इस बात का एहसास होगा, जिस पेथ, जिस समाज, जिस कबीर पंथी भाव के साथ आपको आत्मसात करने की ताकत है और उस पंक्ति के साथ कि कबीरा खड़ा बाजार में, मांगे सबकी खैर, ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर । अध्यक्ष के नाते आपकी भूमिका भी होगी, कबीर की पंक्ति को इसलिए दोहरा रहा हूँ कि आपने जीवन भर कबीर का अन्शरण किया । इस पांच साल विधान सभा की गरिमा को बनाये रखने में, कबीर की इस पंक्ति को हम जीवन भर याद रखेंगे । सब को समान भाव से लेकर चलने की जो क्षमता रही है, इसको आपने स्थापित किया है। एक अवसर आपको है कि उस च्नौती के साथ कि सबको आप साथ लेकर चलें और

मेरी ओर से मेरे दल के सारे साथियों की ओर से ढ़ेर सारी शुभकामनायें कि आपका कार्यकाल यशस्वी हो । आप अच्छी तरह से अपनी भूमिका मे सफल रहें । बहुत-बहुत बधाई ।

श्री अजय चन्द्राकर (कुरूद) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह सभा जो है, छत्तीसगढ़ के 2 करोड़ 75 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करती है ।

श्री अमरजीत भगत :- इसमें अभी बृजमोहन भईया बोल रहे थे तोसंसदीय कार्यमंत्री टाईप रोक दिये ।

श्री अजय चन्द्राकर :- अभी पांच साल चलेगा ना, चिन्ता मत करो । बधाई में तो थोड़ी देर शांति से रहो । माननीय अध्यक्ष जी, आप इस सभा का प्रतिनिधित्व करते हैं । चूंकि यह सभा प्रदेश का प्रतिनिधित्व करती है, इसलिए इसकी गरिमा और निष्पक्षता बहुत आवश्यक है । इस पद की महत्ता उसी असाधारण योग्यता और निष्पक्षता से रही है। यह हमने स्वीकार किया है । मैं समझता हूं कि आपमें वह असाधारण योग्यता और निष्पक्षता दोनो हैं । ये सभा का संचालन, मैं आपके माध्यम से कहूंगा कि छत्तीसगढ़ की जनता को यह धन्यवाद देला हूं कि नये राज्य में किसी तरह का खंडित जनादेश नहीं दिया, जो कि इस छोटे राज्य की प्रगति के लिए आवश्यक है और आप जैसा अनुभवी आदमी इस पद पर है । सार्वजनिक जीवन में जिन्होंने प्रदेश की सेवा की, जिस पद पर रहे, उस पद पर आपने अपनी भूमिका के साथ न्याय किया छत्तीसगढ़ के लोगों के साथ न्याय किया । माननीय अध्यक्ष महोदय, कुछ चिन्तायें हमारी उपस्थिति, अनुपस्थिति पर हुई, वह बात स्वाभाविक है, लेकिन संसदीय प्रणाली में विपक्ष जहां शासन करने का अधिकार देता है, वैसे ही शासन हमें विरोध करने का अधिकार देता है । आपकी उपस्थिति से यह सहिष्णुता की ज्यादा जिम्मेदारी उधर की है कि वह कितनी जिम्मेदारी से निर्वहन करते हैं ।आपकी उपस्थिति में यह विधान सभा एक ऊंचाईयों को छुएगी, जिसका यह उल्लेख हुआ, जिसके लिए यह विधान सभा, देश प्रदेश में जानी जाती है, मैं आज शपथ लेने वाले सदस्य, सभी सम्मानित सदस्य माननीय मुख्यमंत्री जी

जारीश्री मिश्रा

मिश्रा\04-01-2019\c16\.-.5

जारी.. श्री अजय चन्द्राकर :- जिसके लिए यह विधानसभा प्रदेश और देश में जानी जाती है। मैं आज शपथ लेने वाले सभी सम्माननीय सदस्यों, माननीय मुख्यमंत्री जी, उनके मंत्रिमंडल के सभी सम्माननीय सदस्य, कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी और हमारे कांग्रेस-ज के जो सम्माननीय सदस्य हैं और भारतीय जनता पार्टी के जिन सम्माननीय सदस्यों ने आज शपथ ग्रहण की, बहुत से हमारे साथी ऐसे

आये हैं जिन्होंने पहली बार अपने सार्वजिनक राजनीतिक जीवन की इस सभा के माध्यम से शुरूआत की है उन सबको आपके माध्यम से शुभकामनाएं देते हुए, आपके लिए शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

श्री बृजमोहन अग्रवाल (रायपुर दक्षिण):- माननीय अध्यक्ष महोदय, आपका सुदीर्घ अनुभव, लंबा राजनीतिक जीवन और आपने अपना पूरा जीवन एक कबीरहा के रूप में बिताया है। हम लोगों को मध्यप्रदेश की विधानसभा में आपके साथ काम करने का, रहने का अवसर मिला। ये छत्तीसगढ़ की विधानसभा देश की बाकी विधानसभाओं से एक अलग विधानसभा है। इसने अपनी एक पहचान बनाई है। ये बात सही है कि हम कभी उधर बैठते थे, आज हम इधर बैठे हैं। सत्तापक्ष के पास बहुमत इतना ज्यादा है कि कभी कभी डर लगता है। परंतु उस डर को दूर करने का काम आपका है।

श्री अमरजीत भगत :- इधर से डरने की जरूरत नहीं, आप बगल वाले से डिरये। (हंसी)
उच्च शिक्षा मंत्री (श्री उमेश पटेल) :- बगल वाले से और पीछे वाले से भी।
श्री दीपक बैज (चित्रकोट):- बृजमोहन भैय्या, राह्ल गांधी जी ने कहा है कि डरो मत।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, ऐसा है कि मुझे किसी से डर नहीं लगता, परंतु संसदीय परंपरा के लिए यह डर पैदा न हो कि कहीं ये 68 का बहुमत 22 के विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश करे, उसकी रक्षा आप करेंगे, उसको संरक्षण आप देंगे।

(एक माननीय सदस्य द्वारा बैठे-बैठे कुछ कहने पर)

श्री बृजमोहन अग्रवाल : आपके कहने से नहीं होगा, ये तो भविष्य बतायेगा। और हम सब इस विधानसभा में क्योंकि मध्यप्रदेश की विधानसभा में भी आपके साथ काम किया, छत्तीसगढ़ की विधानसभा में भी करेंगे।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- भविष्य ने तो बता दिया, अब क्या बतायेंगे? भविष्य तो बता दिया अब बताने को क्या है?

मि बृजमोहन अग्रवाल :- ऐसा है सत्यनारायण जी, आपका भविष्य तो द्निया देख रही है। (हंसी)

श्री अजय चन्द्राकर :- अभी आपकी हीरक जयंति कैसे मनाई जाए उसके लिए एस.आई.टी. बनवायेंगे हम। 75 साल पूरे करवा रहे हैं उसके लिए अब एस.आई.टी. बनेगी। श्री बृजमोहन अग्रवाल :- हम आपका सम्मान करते हैं, आपको प्रणाम करते हैं और आप जहां पर भी कथा करेंगे उसको स्नने के लिए भी हम आयेंगे।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- आशीर्वाद। भगवान करे आपका कल्याण हो।

श्री शिवरतन शर्मा :- आपकी कथा को ट्रेजरी बेंच सुनेगी या नहीं यह आप बता दो? हम लोग तो सुन लेंगे।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आपका अनुभव, आपकी प्रदीध राजनीति, हम इस बात की उम्मीद करते हैं कि छत्तीसगढ़ की विधानसभा ने जो नये कीर्तिमान बनाये हैं, उन कीर्तिमानों को आप आगे बढ़ायेंगे। विपक्ष को जो अधिकार है, विपक्ष को जो संरक्षण देना है वह भी आप देंगे। ये पांचवी विधानसभा का प्रथम दिवस, प्रथम सत्र है। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी और मंत्री सहित सभी पक्षों के विधायकों को बहुत बहुत बधाई और शुभकामना देता हूं और इस बात की उम्मीद करता हूं कि हम सब मिलकर इस छत्तीसगढ़ को, यहां की जनता के भविष्य को उज्जवल बनायेंगे। क्योंकि ये छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी पंचायत है और इस पंचायत की तरफ पूरे प्रदेश की जनता की टकटकी लगी रहती है और उस टकटकी को हम निराश नहीं होने देंगे। हम ऐसे निर्णय करेंगे, ऐसा काम करेंगे कि छत्तीसगढ़ का मान बढ़े, सम्मान बढ़े, गौरव बढ़े। और मैं इस बात का विश्वास करता हूं कि आपके नेतृत्व में, आप जिस परिवार से आते हैं, आपको जो संस्कार हैं वह हम सबके लिए मार्गदर्शक बनेंगे और ये विधानसभा और ऊंचाईयों तक पहुंचेगी। मेरी आपको और सभी सदस्यों को बहुत- बहुत बधाई और शुभकामनाएं।

श्री प्रमेश

प्रमेश\04-01-2019\c17\01.15-01.20

श्री नारायण चंदेल (जांजगीर-चांपा) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं इसलिए बोल रहा हूं कि आप मेरी विधानसभा से मेरे निर्वाचन क्षेत्र के ही रहने वाले हैं और आपने जांजगीर चांपा क्षेत्र का वर्षों से प्रतिनिधित्व किया। निश्चित रूप से इस आसंदी पर बैठने के लिए आपको बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं। सहजता, सरलता और विनम्रता निश्चित रूप से आपके व्यक्तित्व का शृंगार है। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपका दीर्घ अनुभव इस पूरे सदन को संचालित करने में और छत्तीसगढ़ की विधानसभा को और अधिक ऊंचाइयों में ले जाने के लिए निश्चित रूप से आपका यह अनुभव काम आयेगा। हम आपसे उम्मीद करते हैं, ये विश्वास करते हैं कि आप इस बात को परिभाषित करने का हर संभव प्रयास करेंगे कि आसंदी पर व्यक्ति नहीं, व्यवस्था बैठती है। मैं आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं

शुभकामनाएं देता हूं।

श्रीमती इंदू बंजारे (पामगढ़) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं आपको बहुत-बहुत बधाई देना चाहती हूं कि आप इस पंचम विधानसभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। चूंकि हम एक ही जिले से आते हैं इसलिए हमारे लिए भी बहुत गौरव की बात है। इसी आशा और विश्वास के साथ मैं आपको कहना चाहूंगी कि जिस गौरवान्वित पद पर आप विराजमान हैं तो इस विधानसभा में जितने भी दल के हैं या जितने भी विधानसभा सदस्य हैं, उनको आपका संरक्षण मिलता रहे। खास करके हम महिलाओं को आपका संरक्षण मिले क्योंकि हमारी जनसंख्या इस विधानसभा में काफी कम है। हम लोग अपने क्षेत्र के विकास की जो बात है...।

श्री बृहस्पत सिंह :- 10 लोग हैं मैडम, 10 लोग ।

श्री धर्मजीत सिंह :- अध्यक्ष महोदय, वे पहली बार विधायक बनकर आई हैं इसलिए वे शुभकामना दे रही हैं, आप लोग अपनी पुरानी आदत से बाज नही आये हो, उनको बोलने दो, महिला हैं। हिम्मत करके बोल तो रही हैं।

श्रीमती इंदू बंजारे :- अध्यक्ष महोदय, वैसे तो एक ही महिला काफी होती हैं, लेकिन हम लोग 10 महिला सदस्य हैं तो बहुत ज्यादा जनसंख्या है लेकिन फिर भी आपका संरक्षण हम लोग को मिलता रहे, ऐसी आशा और विश्वास के साथ अपनी बातों को खतम करती हूं जय हिंद जय भारत। (मेजों की थपथपाहट)

अध्यक्ष महोदय :- छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल जी अध्यक्षीय दीर्घा में उपस्थित हैं। मैं उनको अपनी ओर से और सदन की ओर से उनका हार्दिक स्वागत करता हूं, अभिनंदन करता हूं। (मेजों की थपथपाहट)

श्री रामकुमार यादव (चन्द्रपुर) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम तो आप ला छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष निर्वाचित होये हव, एकर लिए छत्तीसगढ़ के ढाई करोड़ जनसंख्या जनता और खास करके मैं जांजगीर जिला के अव और मैं आपे जिला के आशींवाद ले करके आपे के तीर के रवैया हो लेकर लिये मैं आप ला कोटि कोटि धन्यवाद दे थो। मोला विश्वास अउ भरोसा हे चूंकि आप जिस प्रकार से पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह जी बोलत रिहीस हे कबीरा साहब के दोहा दीस हे मैं भी इस शुभ अवसर पर एक कबीर साहब के दोहा मोला याद आथे। कबीरा जब हम पैदा हुए, जग हसै हम रोए अउ एैसी करनी कर चलो, हम हसै जग रोये। आपके स्वर्गीय पिता जी हम सब ला आज भी जब याद करथन तो

हमर आखी नम हो जथे कि आज उस समय भी इस प्रदेश में हमर बिसाहू दास जी के जो हे छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश नहीं नहीं पूरे देश में वोकर मुधर वाणी के व्यवहार से हम सब चर्चित रहे। आज वोकर सुपुत्र अर्थात आप हमला भरोसा हे आपके उपर में कि छत्तीसगढ़ में जिस प्रकार से जनादेश दे हे कांग्रेस पार्टी ला मोला विश्वास हे माननीय मुख्यमंत्री जी ला कि हमला अउ कोई विपक्ष के कुछ बोले के जरूरत नई पड़े वो स्वयं छत्तीसगढ़ के माटी ये दर्द के पीड़ा ला जानथे सब बूता ला करही, लेकिन विपक्ष हे में पक्ष के विधायक हो, विपक्ष हे में वहू मन से निवेदन करथो कि आप जब-जब भी ऐसे कुछ भूलचूक होही हमर अध्यक्ष जी सब ला ले के चलैया ये में पूरा सदन के जतका भी सदस्य हे सबो ला में कोटि-कोटि प्रणाम करथो कि आज ये गरवा चरवाल ला, एक भूमिहीन व्यक्ति ला आज अध्यक्ष महोदय जी, बोले के लोकतंत्र में मोला शुभअवसर प्राप्त होय हे सबो ला कोटि-कोटि धन्यवाद।

श्री शिवरतन शर्मा (भाटापारा) :- माननीय अध्यक्ष जी, आपको सर्वसम्मेत इस पंचम विधानसभा के अध्यक्ष निर्वाचन हेतु मैं बधाई देता हूं। संसदीय लोकतंत्र में विभिन्न रूपों में आपको कार्य करने का लंबा अनुभव है।

.....जारी श्रीमती सविता

सविता\04-01-2019\c18\01.20-01.25

.....जारी श्री शिवरतन शर्मा :- संसदीय लोकतंत्र में विभिन्न रूपों में आपको कार्य करने का लम्बा अनुभव है। मंत्री के रूप में, लोकसभा में सदस्य के रूप में, केन्द्र में मंत्री के रूप में और लोकसभा में विपक्ष के विधायक के रूप में आपको बैठने का अनुभव प्राप्त है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, संसदीय लोकतंत्र में जिस पार्टी के सदस्य ज्यादा चुनकर आते हैं उसकी सरकार बनती है। स्वाभाविक रूप से प्रदेश की जनता ने जनादेश कांग्रेस को दिया है, कांग्रेस पार्टी के लोग चुनकर आए हैं, आज वे सरकार में बैठे हैं। आपको बधाई देते हुए एक विषय आया। भाई अमरजीत ने कहा कि गाड़ी वन वे रहेगी। संख्या बल से सरकार बनती है पर विपक्ष जो है वह संख्या बल के कारण नहीं जाना जाता। विपक्ष जाना जाता है मुद्दों को जनहित में उठाने के बाद में, अपनी धारदार वाणी के कारण। हमारी विधान सभा की परम्परा रही है कि जब अध्यक्ष जी आसंदी में आते हैं तो अध्यक्ष हमेशा पहला अभिवादन बांयी तरफ विपक्ष का स्वीकार करते हैं और उसके बाद सत्तापक्ष का अभिवादन स्वीकार करते हैं और स्वाभाविक रूप से विपक्ष का अभिवादन स्वीकार करना मतलब अध्यक्ष का दायित्व होता है विपक्ष को सरंक्षण देना, जनहित के मुद्दों को उठाने के लिए। मैं तो आपसे यही निवेदन करूंगा कि हम संख्या बल में भले कम हैं और जिस संख्या बल में हम आज हैं ये इत्तेफाक है कि जो छत्तीसगढ़ की पहली विधानसभा बनी थी, उसमें भी विपक्ष के 22 ही विधायक थे और आज भी

22 विधायक हैं और उस पहली विधान सभा में विपक्ष की क्या भूमिका थी। मैं समझता हूँ कि आपने एकाध बार स्वयं अध्यक्षीय आसंदी में देखा है।

श्री बृहस्पत सिंह :-15 + 7=22 हुए।

श्री शिवरतन शर्मा :- हां, 22 । मैं दोनों को मिलाकर बोल रहा हूँ।

श्री दीपक बैज :- शिवरतन भईया, छत्तीसगढ़ में इतिहास है।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं तो आपसे यही निवेदन करेंगा कि आपका सरंक्षण जनहित के मुद्दों को उठाने में विपक्ष को मिले और विधान सभा प्रदेश के हित में निर्णय कर सके। इसमें आपका संरक्षण प्राप्त होगा। आपको प्न:प्न: बधाई।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- माननीय शिवरतन जी, लेखा जोखा सब ज्यों का त्यों, फिर भी कुनबा डूबा क्यों ?

श्री शिवरतन शर्मा :- सत्तू भईया, ये बताईये आपको क्यों छोड़ दिया गया, धनेन्द्र भईया को क्यों छोड़ दिया गया? अमितेष जी, अरूण वोरा को क्यों छोड़ दिया गया?

श्री बृहस्पत सिंह :- आप ये बताईसे कि आप यहां की कुर्सी से वहां कैसे बदल गये। इस कुर्सी से आप वहां कैसे चले गए?

श्री धर्मजीत सिंह र- एक मिनट। जैसे आप दिल्ली में आडवाणी जी को संगठन मण्डल में बनवाये हो। आडवाणी जी संगठन मण्डल में है। ये यहां के आडवाणी जी हैं। (हंसी)

उच्च शिक्षा मंत्री (श्री उमेश पटेल):- शिव भईया, सामने को क्यों छोड़ दिये, ये तो बता दीजिए?

अध्यक्ष महोदय :- अब मैं अपनी बात कहना चाहता हूँ। मैं खड़ा हूँ इसलिए जरा शांति से मुझे भी सुन लें। माईक में आवाज कम है।

श्री धर्मजीत सिंह :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आप बोलेंगे। सचिव महोदय, ये माईक थोड़ा सा बड़ा कराना पड़ेगा।

अध्यक्ष महोदय :- माईक में आवाज कम है।

श्री धर्मजीत सिंह :- हमारे अध्यक्ष जी बहुत ही सौम्य, मधुर शांत वाणी में बोलते हैं तो माईक उनके करीब तक पहुंचाने का कष्ट करें।

अध्यक्ष महोदय :- सबले पहिली आप सब ला मय बधाई देना चाहत हो, छत्तीगढ़ महतारी अपन सब बेटा ला चुन-चुन के इहां भेजे हे कि ओकर सही सेवा हो सकए। आप सब ला बहुत-बहुत बधाई। (मेजों की थपथपाहट) आप सब ला बहुत-बहुत शुभकामना। नया साल के भी अउ आने वाला जीवन के भी और ये संसदीय मंदिर में बइठके जो आप रोज पूरा करिहों, ओमा आप हमेशा सफल रहो, ये मोर आप मन ला शुभकामना है। में बहुत-बहुत अपन तरफ से बधाई देना चाहत हों। ये पद मा बइठाए मा हमर नेता भाई भूपेश जी...।

गृह मंत्री (श्री तामध्वज साहू) :- बेटा संगे-संगे बेटी मन ला घलो बधाई।

अध्यक्ष महोदय :- बेटा-बेटी सब मन ला बधाई। ये आसन तक पहुँचाए मा सदन के नेता भूपेश बघेल जी, टी.एस.सिंहदेव साहब, तामध्वज साहू जी, हमर रविन्द्र चौबे जी, आदरणीय भाई धर्मजीत सिंह जी, कवासी लखमा जी, शिव डहरिया जी, रेणु जोगी जी, नारायण चंदेल जी अउ डॉ. रमन सिंह जी के विशेष सहयोग जो रविन्द्र चौबे जी प्राप्त करिन ओकर बर मय आप सब ला बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहत हों अउ आप सब ला ये विश्वास दिलाना चाहत हों कि ये आसंदी में मय जब तक विराजमान रहूं तब तक मय हर ट्यक्ति ला एक समान भाव से देखहूं, एक समान भाव से....

जारी श्री चौधरी

चौधरी\04-01-2019\c19\01.25-01.30

पूर्व जारी.. अध्यक्ष महोदय :- हर व्यक्ति ला एक समान भाव से देखहूँ, एक समान भाव से ओमन के बारे में विचार करहूँ। और समान दृष्टि, समान भाव बने रहे, ये मोला हमेशा याद रही। आप जैसे कहा, ओला में बाद में कहूँ। छत्तीसगढ़ महतारी के में प्रणाम करत हों, याद करत हों। आदरणीय जोगी जी यहां मोर पिताजी के भी याद दिलाईन, भाई भी याद दिलाईन, आप भी दिलाये। में मोर पिताजी स्वार्गीय बिसाहूदास महंत जी के, माता जी के बहुत-बहुत आभार व्यक्त करना चाहत हों कि ओकर आदर्श और संस्कृति ला लेकर में अभी तक इहां पहुचे हों। जो हमर छत्तीसगढ़ के एक अलग परंपरा हे, संस्कृति हे, एक सौहार्द हे, जेला कबीर साहब, बाबा गुरू घासीदास देय हे। जेमा हमन ला बचपन से सिखाये जात हे कि कतका सामंजस्य के साथ अपन विरोधी मन से भी बात करना चाहिए।

गांव में एक ठो कहवात हे, आप सुने होईहे- बैरी बर उच्च पीड़ा। हमन छत्तीसगढ़िया मन के शुरू ले आदत है कि जेकर मन मा बुरा भाव हे, जेकर मन मा हमर प्रति दुश्मनी के भाव हे, ओला हमला पिहली आदर के साथ बैठाना हे। ये हमर छत्तीसगढ़ के पुराना भाव, परंपरा है और ये हमन ला बचपन से सिखाये जात हे। ओकर हिसाब से मैं आप सब और जो विपक्ष के नेता हैं, ओमन ला विश्वास दिलाना चाहत हौं कि हमेशा ओमन के प्रति सम्मान, आदर के भाव भी रहिही और जैसे शिवरतन शर्मा जी कहिन हे पहली नजर एक उती रही, फिर हमर एक दूसर नजर इती रहिही।

श्री अजय चन्द्रांकर :- माननीय अध्यक्ष जी आपने कहा कि आप हमेशा यही विराजमान रहेंगे या आप नीचे भी जायेंगे?

संसदीय कार्य मंत्री (श्री रविन्द्र चौबे) :- उन्होंने जब तक कहा है।

अध्यक्ष महोदय :- मैं छत्तीसगढ़ के सभी मतदाता मन के प्रति आभार व्यक्त करना चाहत हों जेमन बहुत एक नया लोकतंत्र में निर्णय दीन है। मैं अपन तरफ से भी पूरा छत्तीसगढ़ के मतदाता मन ला बधाई देना चाहत हों। और मैं ये भी जरूरी समझत हों कि जे क्षेत्र ले मैं चुनकर आये हों ओमन के प्रति आभार व्यक्त करों। विशेषकर सक्ती की जनता प्रति जो यहां चुनकर भेजे हे और जेकर कारण आज मैं आसंदी में पहुंचे हों। मैं सब साथी मन के, सहयोगी मन के बहुत-बहुत आभारी हों। मैं आज हमर आदरणीय राजेन्द्र प्रसाद शुक्ला जी को याद करनी चाहत हों जो पहिली अध्यक्ष रहिन हे और इहां बढ़िया परंपरा भाईचारा, एकता और अनुशासन के भी स्थापित करके गये हें। ओ परंपरा ला मैं अउ आगे बढाहूँ। आदरणीय प्रेमप्रकाश पाण्डेय औ, धरमलाल कौशिक जी और गौरीशंकर अग्रवाल जी ये तीनों ने इहां जो नई परंपरा को और आगे बढ़ाने का प्रयास किया है, मैं उस परंपरा को आगे भी बढ़ाऊंगा और उसकी उज्जवला को ख्याल रखते हुए जैसा कि भाई धर्मजीत जी कह रहे थे यहां की परंपराएं, यहां की सीख लोकसभा तक पहुंची है और वहां जाकर यहां का उदाहरण पेश किया जाता है। मैं चाहूंगा, आप सब चाहेंगे तब आप सब की इच्छा से, आप सबके सहयोग से, सत्प्रयास से छत्तीसगढ़ की विधानसभा में जो हो रहा है, हम उसे राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का प्रयास करें। ये मेरा प्रयास होगा। आप सबके सहयोग से छत्तीसगढ़ देश और विदेशों में भी जाना जाये..... (जारी)...

श्रीमती नीर

नीरमणी\04-01-2019\d10\01.30-01.35

जारी........अध्यक्ष महोदय :- यह मेरा प्रयास होगा । आप सबके सहयोग से छत्तीसगढ़ देश और विदेशों में भी जाना जाये । यहां की परम्पराएं, यहां की हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में हम जिस ढंग से व्यवहार करते हैं, हमारा व्यवहार आगे तक पहुंचे इसके लिये मैं सदैव प्रयास करता रहूंगा । मैं यह बात जरूर कहना चाहूंगा कि हम प्रतिबद्ध भी हैं और वचनबद्ध भी हैं और इस नाते दोनों दल के साथियों का यह भाव बनता है, यह कहना चाहिए कि उनका यह प्रयास होना चाहिए कि संसदीय गरिमा और संसद का सम्मान, इस मंदिर का सम्मान पहली प्राथमिकता होनी चाहिए और उसको हम-आप बनायेंगे तभी बन पायेगा । एक पक्ष से यह काम नहीं हो सकता, यह पूरे छत्तीसगढ़ के संसदीय गरिमा का सवाल है और यह गरिमा का प्रश्न है । मुझे भाई ने याद दिलाया, आदरणीय चौबे जी ने कि इस सदन में 2-2 मुख्यमंत्री विराजे रहेंगे, कहना चाहिए कि यह एक समृद्धि है । पूर्व अध्यक्ष आदरणीय कौशिक जी भी यहां उपस्थित रहेंगे, आगे किस पद पर जा रहे हैं यह तो मुझे अभी जानकारी नहीं हुई है फिर भी मैं जानता हूं कि 2-2 मुख्यमंत्री श्री जोगी जी, डॉ. रमन सिंह जी और 2-2 ससदीय कार्यमंत्री अर्थात् 4 संसदीय कार्यमंत्री और 2-2 उपाध्यक्ष यहां रहेंगे और उनके साथ यहां जो श्री रामपुकार सिंह जी जो कि आज प्रोटेम स्पीकर थे 8 बार के विधायक श्री बृजमोहन जी हैं 7 बार संभवतः, भाई चौबे जी तो हैं ही, हमारे श्री सत्यनारायण शर्मा जी सबसे बुजुर्ग हैं जो हंसाते भी रहते हैं । (हंसी)

श्री सत्यनारायण शर्मा :- माननीय अध्यक्षा महोदय, बुजुर्ग जरूर हंओ पर नौजवान से भी ज्यादा ताकत रखत हंओं । (हंसी)

अध्यक्ष महोदय :- आप मेरे पिता जी के साथी रहे हैं इसिलये सम्मान के साथ मैं आपको बुजुर्ग कहता हूं । (हंसी) आदरणीय धर्मेंद्र साहू जी हैं, इस तरह से बड़े संसदीय जानकार यहां उपस्थित रहेंगे तो मुझे पूरा विश्वास है कि हमें किसी प्रकार का कोई कष्ट नहीं होगा । मुझे पूरा विश्वास है, मैं भी कबीरपंथी हूं और हमारे नेता भी थोड़े से कबीरपंथी हैं तो वह जो आपने शंका व्यक्त की है कि न कहूं से दोस्ती, न कहूं से बैर, उसको हम दोनों ख्याल रखेंगे । इस सदन के नेता भी ख्याल रखेंगे और मैं भी ख्याल रखेंगे और आप तो बीच-बीच में याद दिलाते रहेंगे यह अधिकार आपको है । मैं अंत में यह कहना घाहता हूं कि इस सदन को, इस मंदिर को केवल बहुमत का नहीं मानना चाहिए, इसमें सर्वमत की भी बहुत बड़ी भूमिका होती है, सर्वकल्याण की भी भूमिका होती है और हम उसी उद्देश्य को लेकर चलें । हमेशा जनहित के फैसले छत्तीसगढ़ की उन्नित के लिये आप सब यहां चुनाव लड़कर आये हैं । छत्तीसगढ़ की प्रगित के लिये आप सब यहां चुनाव लड़कर आये हैं । छत्तीसगढ़ की प्रगित के लिये आप सब यहां चुनाव लड़कर आये हैं । छत्तीसगढ़ की प्रगित के लिये आप सब यहां चुनाव लड़कर आये हैं । छत्तीसगढ़ की प्रगित के लिये आप सब वहां चुनाव लड़कर आये हैं । छत्तीसगढ़ की प्रगित के लिये हम सबका जो कर्तव्य बनता है वह छत्तीसगढ़ का कल्याण ही बनता है । छत्तीसगढ़ के कल्याण के लिये हम सब एक रहेंगे ऐसा मुझे पूरा विश्वास है । आप सबने बहुत मुझे सम्मान दिया इस

.....श्री कुरैशी

क्रेशी\04-01-2019\d11\01.35-01.40

जारी......अध्यक्ष महोदय :-

मैं अपने आप को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे आप सबके साथ काम करने का अवसर मिला । हालांकि आप सबको पता ही है मैं प्रदेश और लोक सभा के बाद लगभग 25 साल बाद यहां आया हूं । मुझे ऐसा लगता है कि मैं आप लोगों से कुछ सीखूँगा और मैं संसदीय ज्ञान का भी अनुभव प्राप्त करना चाहता हूं और आप लोगों से भी सीखना चाहता हूं) मैं ऐसा मानता हूं कि आप लोग अपने आचार से, व्यवहार से, विचार से नये ज्ञान देंगे अहम सब इस बात को जानते हैं कि मतभेद और मनभेद, इन दोनों में अंतर होता है । यहां अनेक ऐसे अवसर आएंगे जहां आपके विचारों में मत भिन्नता हो सकती है, मगर मैं आप दोनों-तीनों पक्षों से निवेदन करना चाहता हूं कि हमारे बीच किसी प्रकार का मनभेद न हो, हम स्वच्छ मन से, स्वच्छ आतमा से एक दूसरे के प्रति प्रेमभाव प्रदर्शित करते रहें । यही शिक्षा हमारी इस मादी ने दी है, यही शिक्षा कबीर साहब ने दी है, यही शिक्षा आदरणीय घासीदास जी ने दी है । हमारे यहां के जितने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हैं, जिन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य बनाने में योगदान दिया है, उन सबका आशीर्वाद आप सबके साथ है । उसी आशीर्वाद के साथ मैं चाहता हूं कि आप सबको बहुत सारी शुभकामनोएं दूं । अंत में, मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि इस आसंदी पर मैं बड़ी विनम्रता से स्वीकार करता हूं और आपको बता देना चाहता हूं कि मेरी मातृ संस्था कांग्रेस है, लेकिन इस आसंदी पर जब तक मैं हूं, तब तक आप सबके प्रति मेरा समान भाव रहेगा और अगर कोई विचार आएगा तो मैं उसे रख सकता हूं लेकिन सदन में मुझे संसदीय जीवन में जीना होगा, यहां मेरी मातृ संस्था आपके आड़े नहीं आएगी । मैं कांग्रेस का सदस्य जरूर हूं लेकिन सदन में अध्यक्ष के रूप में मैं सभी के प्रति समान भाव से काम करता रहूंगा । समय आएगा तो मैं आपको यहां से निर्देश भी देता रहूंगा । आपने तो कह ही दिया है जो मेरा गुरूमंत्र है, कबीर खड़ा बाजार में, मांगे सबकी खैर, न काहूं से दोस्ती, न काहूं से

बैर । निश्चित रूप से मैं यही भाव प्रदर्शित करूंगा । मैं आप सबसे यह भी निवेदन करूंगा कि बाबा घासीदास जी ने भी बड़ी अच्छी शिक्षा दी है जिसमें ऐसा भाव छिपा है जिसे हम पूरे छत्तीसगढ़ के सामने रखें, वह है मनखे मनखे एक समान । उस भाव को भी आप सब सामने रखकर चलेंगे (मेजो की थपथपाहट) तो हमें कोई कठिनाई नहीं होगी । मैं अपनी बात समाप्त करते हुए आप सबका बहुत बहुत आभार व्यक्त करता हूं । आप सबको बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं कि आप सबने मुझे इस योग्य समझा, मुझ पर विश्वास किया और मुझे इस आसन तक पहुंचाया । (मेजो की थपथपाहट)

मुख्य विपक्षी दल तथा नेता प्रतिपक्ष की घोषणा

अध्यक्ष महोदय :- पंचम विधान सभा में प्रतिपक्ष दलों में भारतीय जनता पार्टी दल के सदस्यों की संख्या सबसे अधिक है तथा गणपूर्ति के लिए आवश्यक सदस्यों की संख्या में है, इसलिए मैं, भारतीय जनता पार्टी दल को सदन का मुख्य विपक्षी दल और उनके नविनयुक्त नेता श्री धरमलाल कौशिक, सदस्य को प्रतिपक्ष का नेता घोषित करता हूं। (मेजों की थपथपाहट)

श्री गोविंद --

ठाकुर\04-01-2019\d12\01.40-01.45

समय :

1.40 बजे

कार्यमंत्रणा समिति का गठन

अध्यक्ष महोदय- छत्तीसगढ़ विधानसभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमावली के नियम 203 के उपनियम (1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं कार्य मंत्रणा समिति के लिए वर्ष 2018-19 की शेष अविध तथा वर्ष 2019-20 की अविध हेतु सेवा करने के लिए नियुक्त करता हूँ:-

कार्य-मंत्रणा समिति:-

- 1. श्री भूपेश बघेल, मुख्यमंत्री
- 2. श्री टी.एस. सिंहदेव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री
- 3. श्री ताग्रध्वज साहू, गृह मंत्री
- 4. श्री रविन्द्र चौबे, संसदीय कार्य मंत्री
- 5. श्री मोहम्मद अकबर, खाद्य मंत्री
- 6. डॉ. शिवक्मार डहरिया, नगरीय प्रशासन मंत्री

- 7. डॉ. रमन सिंह, सदस्य
- 8. श्री धरमलाल कौशिक, सदस्य

विशेष आमंत्रित सदस्य:-

- 1. श्री सत्यनारायण शर्मा, सदस्य
- 2. श्री धनेन्द्र साह्, सदस्य
- 3. श्री अमरजीत भगत, सदस्य
- 4. श्री बघेल लखेश्वर, सदस्य
- 5. श्री बृजमोहन अग्रवाल, सदस्य
- 6. श्री धर्मजीत सिंह, सदस्य

अध्यक्ष, विधान सभा इस समिति के पदेन सभापति होंगे।

अध्यक्ष महोदय :- सभा की कार्यवाही सोमवार, दिनांक 07 जनवरी, 2019 को 11 बजे दिन तक के लिए स्थगित।

(01 बजकर 41 मिनट पर विधान सभा की कार्यवाही सोमवार, दिनांक 07 जनवरी, 2019 (पौष 17, शक सम्वत् 1940) के पूर्वान्ह 11.00 बर्ज तक के लिए स्थगित की गई।)

रायपुर (छत्तीसगढ़)

सचिव 04 जनवरी, 2019 छत्तीसगढ़ विधान सभा

चन्द्र शेखर गंगराई